## अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

### मैं अपने बच्चे को अपनी पहली भाषा विकसित करने में कैसे मदद कर सकती/सकता हूँ ?

घर पर अपनी मूल भाषा का निरंतर प्रयोग करते रहे एवम मूल भाषा की पाठ्यपुस्तकों का संग्रह रखें

### मेरा बच्चा भाषाओं को मिला-जुला देता है।क्या यह चिंताजनक है?

द्विभाषी बच्चों के साथ भाषा का मिश्रण काफी आम है; इसका मतलब यह नहीं है कि वे भ्रमित हैं - वे खुद को व्यक्त करने के लिए अपने सभी भाषा संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं।

### मेरा बच्चा मुझसे केवल अंग्रेजी में बात करता है। मैं क्या करूँ?

कई बच्चे ऐसा करते हैं, खासकर जब उन्हें पता होता है कि उनके माता-पिता अंग्रेजी अच्छी तरह समझते हैं। वे अपनी पहली भाषा को बहुत जल्दी वापस उपयोग करने में सक्षम होंगे जब उन्हें करना होगा, बशर्ते, माता-पिता घर पर उनके साथ अपनी पहली भाषा का उपयोग करना जारी रखें।

### मेरा बच्चा स्कूल में ज्यादा अंग्रेजी नहीं बोलता है। क्या मुझे उससे घर पर अंग्रेजी बोलना शुरू करना चाहिए?

कई बच्चे नयी भाषा बोलने के लिए कुछ समय लेते हैं, हो सकता है कि उन्हें शर्मिंदगी महसूस हो रही हो या हो सकता है कि वे इसे तब तक बोलना नहीं चाहते जब तक कि वे इसे अच्छी तरह से नहीं बोल सकते। इस 'मौन चरण' का सम्मान किया जाना चाहिए। अपनी पहली भाषा का उपयोग जारी रखे अन्यथा वे उन सभी चीजों से भी कटा हुआ महसूस करेंगे जिनकी जानकारी उन्हें पहले से है और इससे स्थिति बहुत खराब हो सकती है।

## अधिक जानकारी के लिए

www.hants.gov.uk/emtas

June 2020

Hampshire Services
EMTAS

# Bringing up your child bilingually/ द्विभाषी बच्चे की परवरिश

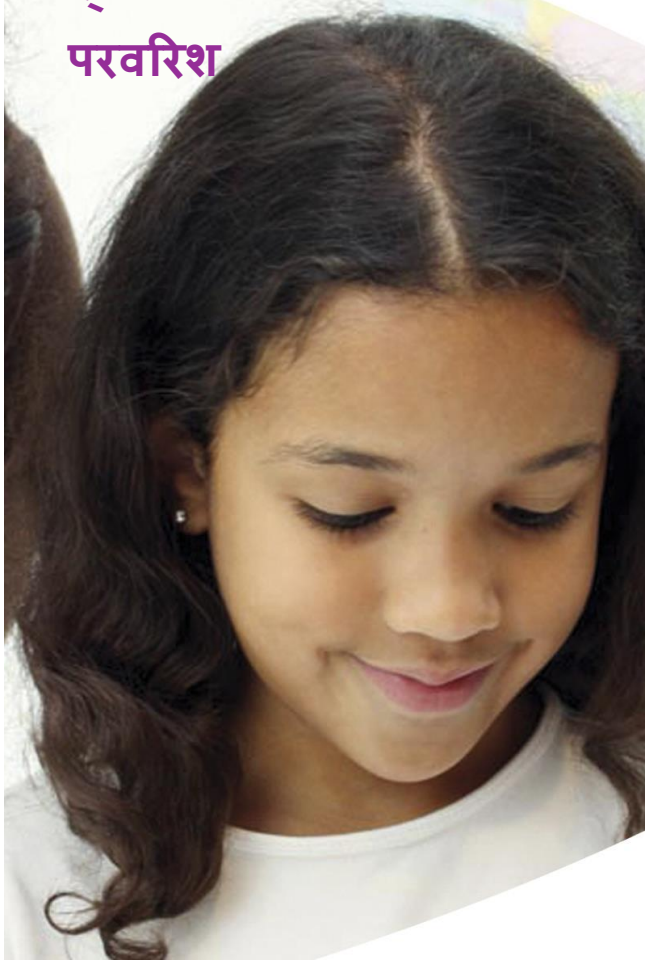

Hampshire County Council

## अनुसंधान क्या कहता है

द्विभाषी  बच्चे प्रायः

- स्कूल में बेहतर करते हैं
- अपनी परीक्षा में उच्च ग्रेड प्राप्त करते हैं
- तीसरी भाषा अधिक आसानी से सीख लेते हैं
- यदि वे अपनी मातृभाषा में एक ठोस आधार के साथ स्कूल आते हैं तो उनका स्कूल की भाषा में भी अच्छा विकास होता हैं
- दो अलग-अलग भाषाओं के माध्यम से जानकारी प्रसंस्करण के परिणामस्वरूप उनकी सोच में अधिक लचीलापन विकसित होता हैं
- अधिक तेजी से पढ़ना सीखते हैं
- समस्या को हल करने में बेहतर होते हैं और अधिक रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रदर्शित करते हैं
- दूसरों के प्रति अधिक सहिष्णु व्यवहार व्यक्त करते हैं

## द्विभाषी होने के लाभ

दो या अधिक भाषाएँ बोलने से लोगों को एक अतिरिक्त मूल्यवान कौशल मिलता है; दो या दो से अधिक भाषाओं वाले व्यक्ति के पास व्यापक विकल्प होते हैं ।

द्विभाषावाद आत्मसम्मान को बढ़ाता है, एक बच्चे को खुद के बारे में विशेषाधिकार प्राप्त होने का एहसास और अच्छा महसूस कराता है।

द्विभाषावाद दो संस्कृतियों तक की पहुँच देता है और अन्य संस्कृतियों के लिए सहिष्णुता को बढ़ावा देता है।

यदि बच्चे अपनी भाषा और संस्कृति के बारे में गर्वित  या सकारात्मक हैं तो वे अपनी सांस्कृतिक पहचान नहीं खोएंगे।

दादा-दादी के साथ संवाद करने की क्षमता विस्तारित परिवार से संबंधित होने की भावना का निर्माण करने में मदद करती है।

जहां माता-पिता अलग अलग भाषा बोलते हैं, वहां द्विभाषी बच्चा दोनों के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित कर सकता है। दोनों माता-पिता अपनी अपनी सभ्यता  और अपनी विरासत बच्चे तक पहुँचा सकते हैं।